आजीविका वर्धन व्यवसाययोजना

बुनाई और हथकरघा

झाँसी स्वंयसहायतासमूह शान्शा

वी. एफ. डी. एस.शान्शा

एस.एच.जी. नाम	झाँसी
वी.एफ.डी.एस.नाम	शान्शा
एफ.टी.यू./ रेंज	पट्टन
डी.एम.यू. /मंडल	लाहौल
एफ.सी.सी.यू. / सर्किल	कुल्लू

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन एवं आजीविका सुधारपरियोजना

(जाईका वित्तपोषित)

अनुक्रमणिका

क0सं0	विवरण	पृष्ठ संख्या
1	कार्यकारिणी सारांश	1-2
2	परिचय	3
3	स्वयं सहायता समूह की सूची	4
4	समूह का विवरण	5
5	ग्राम की भौगोलिक स्थिति	6-7
6	आय सृजन गतिविधि से सम्बंधित उत्पाद का विवरण	8
7	उत्पादन हेतु नियोजन	9
8	बिक्री का विवरण	9
9	समूहकेमध्यप्रबंधनकाविवरण	10
10	शक्ति, दुर्बलता अवसर जोखिम का विशलेषण	10
11	संभावित जोखिम व उनको कम करने के उपाय	11
12	उद्यमहेतु अनुमानित लागत	11-13
13	उद्यमलागत	14
14	समूह की वित्तीय आवश्यकता	14
15	सम विच्छेदन बिंदु की गणना (ब्रेक इविन प्वाइंट)	14
16	स्वयं सहायता समूह के नियमों की सूचि	15
17	समूह का सहमती पत्र	16
18	समान रूचि समूह के प्रत्येक सदस्य के फोटोग्राफ	17

1.परिचय

हिमाचल प्रदेश के पश्चिम हिमालय क्षेत्र में स्थित पहाड़ी राज्य है। जो अपनी प्राकृतिक सुंदरता और समृद्धि संस्कृति के लिए प्रसिद्ध है। हिमाचल प्रदेश की जलवायु बहुत उपयुक्त है तथा अनेक छोटी-बड़ी नदियां व घाटियां प्रदेश की सुंदरता को बढ़ाती है। प्रदेश की कुल आबादी 70लाख है। इसका भौगोलिक क्षेत्र 55673 वर्ग किलोमीटर है जो कि शिवालिक पहाड़ियों के ऊपरी हिमालय के शीत मरुस्थल क्षेत्र तक फैला हुआ है।यहां कृषि व बागवानी मुख्य व्यवसाय है। हिमाचल प्रदेश के 12 जिलों में लाहौल जिला पर्यटन कृषि व जड़ी-बूटी के लिए प्रसिद्ध है।.

गांव , शान्शा डा0 शान्शा,तहसील केलोंग, जिला लाहौल स्पीति ,हिमाचल प्रदेश में स्थित है। लाहौल जिले की घाटियों को भौतिक संरचना के आधार पर तरह-तरह के नाम दिए गए हैं, जिसमें एक नाम पट्टन वैली है। शान्शा लाहौल मुख्यालय से लगभग 22 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है।यह जिला लाहौल स्पिति का दुर्गम जन जातीय क्षेत्र है |

गांव शान्शा, मे लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व बागवानी है। अधिकतर लोगों के पास बहुत कम जमीन है, जिसके कारण उनकी आजीविका का निर्वाह अच्छे ढंग से नहीं हो पा रहा है।

जीवन निर्वाह को अच्छा करने के लिए लोग नकदी फसल व बागवानी का कार्य करके अपनी आजीविका चलाते हैं। ग्रामीण लोग अपनी आजीविका और सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए सीधे तौर पर वन संसाधनों पर निर्भर हैं। इससे उत्पादन कम और आय भी कम होती है। आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) के सहयोग से चलाई जा रही है। जिसमे लाहौल जिला भी शामिल है |

हिमाचल प्रदेश वन पारिस्थितिकी तंत्र प्रबंधन और आजीविका सुधार परियोजना जाईका (JICA) प्रारंभ होने पर ग्रामवन विकास समिति शान्शा की सूक्षम योजना बनाई गयी है | परियोजना के माध्यम से शान्शा में 02 स्वयं सहायता समूहों का गठन, "लेडी बग स्वयं सहायता समूह" व "झाँसी स्वयं सहायता समूह" के रूप में किया गया।

इसके बाद "झाँसी स्वयं सहायता समूह" ने बुनाई और हथकरघाका कार्य करने का निर्णय लिया। समूह के सदस्य समाज के एक अनुसूचित जन जाति से ताल्लुक रखते हैं और उनकी ज़मीन कम है। अपनी आर्थिक स्थितियों को बढ़ाने के लिए, उन्होंने कालीन बनाने और बुनाई करने का फैसला किया है |"झाँसी स्वयं सहायता समूह" समूह मे केवल महिलये शामिल है।इस समूह में 7 सदस्य शामिल है ।

झाँसी स्वयं सहायता समूह की सूची

क्र.	लाभार्थीकानाम	पद	आयु	लिंग	योग्यता	श्रेणी	सम्पर्क
1	सुशीला (प्रधान)	प्रधान	39	स्त्री	एम.ए	अनु सूचित जनजाति	9015104346
2	कमला (सचिव)	सदस्य	48	स्त्री	आठवी	अनु सूचित जनजाति	9015104603
3	सुनीता	सदस्य	45	स्त्री	आठवी	अनु सूचित जनजाति	9459189735
4	शीला	सदस्य	55	स्त्री	पाँचवी	अनु सूचित जनजाति	9418502821
5	माया	सदस्य	50	स्त्री	पाँचवी	अनु सूचित जनजाति	9418428974
6	सन्तोष	सदस्य	55	स्त्री	पाँचवी	अनु सूचित जनजाति	9418550118
7	बिमला	सदस्य	50	स्त्री	+2	अनु सूचित जनजाति	8219763636

झाँसीस्वयं सहायता समूह का चित्र

3.स्वयंसहायतासमूहविवरण

1	समूह का नाम	झाँसी स्वयं सहायता समूह
2	ग्राम वन विकास समिति	शान्शा
3	वन परिक्षेत्र / क्षेत्रीय तकनीकी इकाई	पट्टन
4	वनमंडल / मंडलीय प्रबंधन इकाई	लाहौल
5	गांव	शान्शा
6	विकासखंड	केलोंग
7	जिला	लाहौल-स्पीति
8	समान सूची समूह में कुल सदस्यों की संख्या	7
9	समूह के गठन की तिथि	
10	बैंक खाता संख्या	50074505855
11	बैंक का नाम और शाखा जहां समूह का खाता संचालित है	के.सी.सी. बैंक शान्शा
12	स्वयं सहायता समूह की मासिक बचत	100
13	कुल बचत	
14	सदस्यों को आपस में दिया गया ऋण	0
15	नगदी जमा करने की सीमा	
16	चुकौती की स्थिति	6 महीने

4.ग्राम की भौगोलिक स्थिति

1	जिला मुख्यालय से दूरी	22 किलोमीटर (लगभग)
2	स्थानीय बाजार का नाम और दूरी	जाहलमा ,7 किलोमिटर लगभग
3	प्रमुख बाजार का नाम और दूरी	केलोंग ,22 किलोमीटर
4	प्रमुख शहरों से दूरी	कुल्लू 132 किलोमीटर, भुंतर 142 किलोमीटर, मनाली 90 किलोमीटर
5	मुख्य शहरों के नाम जहां उत्पादका विक्रय / विपणन किया जाएगा	उदयपुर,कुल्लू,भुंतर, मनाली

(1)व्यवसाय योजना की आवश्यता क्यों ?

ग्राम वन विकास समिति शान्शा में   महिलायों का समूह गठित किया | जिसमे समूह की सभी महिलाएं बुनाई व हथकरघा का कार्य करके अपनी आजीविका को बढाना चाहती है   इसीलिए महिलायों ने समूह के माध्यम से JICA परियोजना से बुनाई की मशीनों और हथकरघा की खड्डी प्रदान करने तथा उचित प्रशिक्षण की मांग की है|

(2) व्यवसाय योजना के उदेश्य :

समूह की सभी सदस्यों की क्षमता का निर्माण करना |
समूह के लिए निरंतर आय के साधन उपलब्ध कराना |
उत्पाद को उचित बाज़ार से जोड़ना|
सभी सदस्यों को समूह में काम करने के लिए प्रेरित करना |
बुनाई व हथकरघा व्यवस्या की नवीनतम एवं आधुनिक तकनीकों को बढावा देना |
आजीविका की बढोतरी |

(3)व्यवसाययोजनामेंनिम्नकार्यशामिलहैं:

बुनाई - कोटी , स्वेटर , बच्चोंकेसेट , टोपी , जुराबे इत्यादिशामिलहै|
हथकरघा - गलीचे बनाने का कार्य शमिल है |

(4)सामुदायिक गतिशीलता :

इसके अंतर्गत ग्रामीणों में जागरूकता एवं सामुदायिक गतिशीलन के उपरान्त आजीविका वर्धन के विकल्प का चयन तथा उसके लिए लाभार्थीयों की छंटनी की गयी है |

(5) समूह का निर्माण

स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को एकत्रित कर समूह का गठन किया गया है तथा समूह का अध्यक्ष , सचिव व्कोषाध्यक्ष का सर्वसहमति से चुनाव किया गया है| समूह की सदस्यों की सहमती से समूह के लिए नियम एवं शर्तें निर्धारित करके उन्हें लागू करने का प्रावधान किया गयाहै ।

(6) क्षमता का निर्माण :

लाभार्थियों की क्षमता निर्माण हेतु उनका उचित प्रशिक्षण करवाया जाना आवश्यक है।

(7) मशीन व खड्डीइत्यादिकावितरण :

समूह के सभी सदस्यों को अच्छी किस्म की मशीने और खड्डी उपलब्ध करवाई जाए ताकि अच्छे ढंग से कार्य कर सके।

(8) बाज़ार से जोड़ना :

अपने उत्पाद को बेचने के लिए समूह किसी सरकारी व्निजि सोसाइटी से उचित शर्तों के साथ संबध स्थापित करने लिए तैयार है ।विक्रय के लिए लोकल बाजारों के दुकानदारों से जोड़कर , मेलों में प्रदर्शनी लगाकर और नेचर अवेयरनेस पार्क में दुकान लगाकर आय कमाने हेतु जोड़ा जाएगा ।आधिक उत्पादन होने पर कुल्लू और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों से जुड़कर कार्य करेगी।

(9) वितीय संस्थानों एवं संबधित विभागों से जोड़ना :

व्यवसाय को आगे बढाने के लिए समूह को वितीय संस्थानों से जोड़ने का पर्यास किया जाएगा तथा उन्हें विभिन्न बैंकों द्वारा दी जा रही ऋण सुविधाओं से अवगत करवाया जाएगा तथा परियोजना द्वारा बैंकों से जोड़ा जाएगा ।

(10) बाज़ार की जानकारी :

उदेयपुर, केलोंग और मनाली बाज़ार के क्षेत्र में दुकानदारों के साथ जुड़कर कार्य करेगी।

(11) अपेक्षित सहायता एवं संसाधन :

वित्तीय प्रबंधन का 75 % परियोजना द्वारा सहायता दी जाएग |शेष ,25 % सदस्यों द्वारा वहन किया जाएगा।

(12) अनुमानित लाभ:

महिलायों के लिए घरेलू रोज़गार उपलब्ध होगा ।
समूह के सभी सदस्यों के लिए आजीविका वर्धन का दीर्घकालीन एवं निरंतर साधन उपलब्ध होगा|
समूह की महिलाएं इस कार्य को खाली एवं अतिरिक्त समय में कर सकती
है|

5.आय सृजन गति विधि से संबंधित उत्पाद का वितरण

1	उत्पाद का नाम	गलीचे ,कोटी, स्वेटर, जुराबे बनाने का कार्य
2	उत्पाद की पहचान की पद्धति	कुछ सदस्य बुनाई का कार्य पहले से ही करते हैं।
3	स्वयं सहायता समूह / समान सूची समूह / सदस्यों की सामूहिक सहमति	हां।

6. उत्पादन की प्रक्रियाओं का विवरण

सर्वप्रथम स्वयं सहायता समूह के सदस्यों को परियोजना द्वारा गलीचे ,कोटी ,स्वेटर आदि का प्रशिक्षण दिया जाएगा । प्रशिक्षण के उपरांत समूह के सदस्य द्वारा उत्पाद तैयार करने में निमन प्रक्रिया की जाएगी:-

गलीचे ,कोटी,स्वेटर,जुराबे तैयार करने की मशीनें लगवाऐंगे । इससे समय और उत्पादों की मजदूरी दर का खर्चा कम होगा।

समूह में 3 सदस्य बुनाई का कार्य करेंगे।
समूह में 4 सदस्य गलीचे बनाने का कार्य करेंगे।
समूह में सभी सदस्य विपणन करेंगे और कच्चा माल भी लाएंगे।

समूह के सदस्य प्रतिदिन 2 से 3 घंटा काम करेंगे।

7.उत्पादन हेतु नियोजन

प्रति माह कार्य दिवस	:	30 दिवस
प्रति माह काम करने वाले व्यक्ति	:	7 व्यक्ति
कच्चे माल का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू
अन्य संसाधनों का स्रोत	:	केलोंग,कुल्लू

1	उत्पादन चक्र (दिनों में) 30 दिन प्रतिदिन 3-4 घंटे कार्य करेगें	15 स्वेटर 30 जुराबे 8 गलीचे
2	प्रति चक्र कार्यकताओं की आवश्यकता (संख्या)	03 सदस्य बुनाई के लिए 04सदस्य बुनाई के लिए कुल 7सदस्य
3	कच्चे माल का स्त्रोत	केलोंग,कुल्लू, भुन्तर
4	अन्य संसाधनों का स्त्रोत	शमशी, उदयपुर

नोट: स्वयं सहायता समूह के प्रशिक्षण का खर्च परियोजना द्वारावहन किया जाता है|

8.बिक्री का विवरण

1	संभावित बाज़ार स्थल	केलोंग, उदयपुर,मनाली।
2	इकाई से दूरी	केलोंग22 किलोमीटर ,उदयपुर32 किलोमीटर और मनाली 80 किलोमीटर
3	बाजार में उत्पाद की मांग	गलीचे ,स्वेटर ,जुराबे
4	बाजार की पहचान की प्रक्रिया	केलोंग,मनाली ,उदयपुर
5	उत्पाद के संभावित खरीदार	संभावित बाजार खरीदार, दुकानें, स्थानीय निवासी तथा पर्यटक
6	क्षेत्र में संभावित उपभोक्ता	सभी स्थानीय नागरिक एवं पर्यटक
7	उत्पाद का विपणन तंत्र।	सीधा सम्पर्क दुकानदारों से गलीचे और गाँव की महिलाओ और पुरषों के कोटी, स्वेटर, जुराबे इत्यादिकी बुनाई
8	उत्पाद की विपणन रणनीति।	1. गलीचे वकोटी, स्वेटर, जुराबे इत्यादि की बुनाई मांग के अनुसार घटाएंगे या बढायेंगे| 2. समूह कार्य की निपुणता के आधार पर सदस्यों का चयन करेगा |

9. समूह सदस्यों के मध्यप्रबंधन का विवरण-

प्रबंधन के लिए नियम बनाए जाएंगे |
समूह के सदस्य आपसी सहमति से कार्यों का बंटवारा करेंगे |
बंटवारा कार्य की कुशलता एवं क्षमता के आधार पर किया जाएगा
लाभ का बंटवारा भी कार्य की गुणवत्ता , कुशलता तथा मेहनत के आधार पर किया जाएगा |
प्रधान व सचिव प्रबंधन का मूल्यांकन एवं अवलोकन समय-समय पर करते रहेंगे |

10.शक्ति ,दुर्बलता अवसर जोखिम का विश्लेषण-

शक्ति

महिलाओं में कार्य करने की लगन है।
पहले से ही कुछ सदस्य बुनाई का काम करते हैं।
समूह में अनुभवी सदस्य भी है।

दुर्बलता

महिलाएं कृषि व पशुपालन के कार्य भी करती है।
कार्य के लिए 2 से 3 घंटे का समय ही निकाल पाना।
समूह में पहली बार कर रहे हैं।

अवसर

हिमाचल प्रदेश वन परितंत्र प्रबंधन परियोजना से सहयोग व निधि मिलेगी।
प्रशिक्षण से कुशलता व क्षमता में बढ़ोतरी होगी।
उत्पादकों की लोकल व शहरों में मांग है।
कुल्ल , मनाली ,उदयपुर,त्रिलोकीनाथ,चंद्रताल पर्यटक स्थल है।
अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।

चुनौती

बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।
अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।
उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।
अन्य (कृषि बागवानी व पशुपालन) कार्यों में व्यवस्था।

11.संभावित चुनौतियों तथा उनको कम करने के उपायों का विवरण

क्र0	**जोखिमों / चुनौतियों का विवरण**	**जोखिम कम करने के उपाय**
1.	बाजार की स्थिति (डिमांड) को ना समझना।	समय-समय पर बाजार की मांग के अनुसार चलना।
2.	अच्छे उत्पाद तैयार ना करना।	उपभोक्ताओं के मन पसंद उत्पाद तैयार करना।
3.	अन्य उत्पाद केंद्रों से प्रतिस्पर्धा।	अन्य उत्पाद केंद्रों से बेहतर उत्पाद बनाना व शुरू में कम लाभ कमाना।
4.	उपभोक्ताओं से ताल मेल की कमी।	उपभोक्ताओं से हमेशा संपर्क में रहना।
5.	कृषि, बागवानी व पशु पालन कार्य में ज्यादा व्यवस्था।	कृषि, बागवानी व पशुपालन और घर के अन्यकार्य में साथ साथ बुनाई में ध्यान देना।
6.	समूह में बंटवारा	समूह मैं बंटवारा कुशलता व क्षमता के आधार पर करना ।पारदर्शिता से कार्य करना।
7.	उत्पाद की गुणवत्ता घटने से बिक्री कम हो सकती है।	गुणवत्ता बनाए रखने के लिए समूह को उच्च मापदंड रखने होंगे।

12. उद्यमहेतु अनुमानित लागत

1) पूंजीगत व्यय

क्र.	गतिविधि	मात्रा	मुल्य	कुल व्यय	परियोजना अंश 75%	लाभार्थी अंश 25%
1	बुनाई की मशीन	2	**7000**	**14000**	10500	3500
2	गलीचे की खड्डी	4	**8100**	**32400**	24300	8100
	योग	6		**46400**	**34800**	**11600**

(2)आवर्ती व्यय

क्र0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशि
गलीचे					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	70	350	24500
2	सुतर धागा	किलोग्राम	20	190	3800
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	1000
	कुल				**33300/-**
स्वेटर					
1	कच्चा माल धागा	किलोग्राम	30	700	21000
2	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
3	मजदूरी	दिन	20	200	4000
4	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली, पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि			L/S	900
	कुल				**25900/-**
जुराब					
1	कच्चा माल चेल्सी धागा	किलोग्राम	20	700	14000
2	कच्चा माल नायलॉन धागा	किलोग्राम	7	300	2100
3	कच्चा माल बटन	न०	0	0	0
4	मजदूरी	दिन	20	200	4000
5	अन्य खर्चा पैकजिग, स्टीकर, बिजली,			L/S	650

	पानी औसत परिवहन व कमरा किराया खर्चा इत्यादि				
	कुल				20750/-
	योग				79950/-

(3)उत्पादन की लागत

क0स0	विवरण	धनराशि (रू0)
1	कुलआवर्ती लागत	79950/-
2	पूंजीगत व्यय पर 10%वार्षिक मूल्य ह्रास	387/-
	योग	**80337-**

(4) विक्रय मूल्य की गणना

क0स0	विवरण	इकाई	मात्रा	दर	धनराशी
1	**उत्पादन की लागत**				
	गलीचे	नंबर	8	3000	24000
	स्वेटर	नंबर	40	600	24000
	जुराबे	नंबर	150	100	15000
	कुल लागत		198नग		63000/-
2	**उत्पादन की अनुमानित विक्रय**				
	गलीचे		8	7000	56000
	स्वेटर		40	1200	48000
	जुराबे		150	250	37500

	योग		198नग		**141500/-**
3	निर्धारित लाभ (प्रतिशत में)				
	गलीचे	100%	8	4000	32000
	स्वेटर	40%	40	270	10800
	जुराबे	50%	150	50	7500
	योग		198नग		**50300/-**

13.उद्यम लागत – लाभ विश्लेषण

मद	धनराशि (रू)
पूंजीगत व्यय पर 10% वार्षिक मूल्य ह्रास (अ)	**387/-**
आवर्ती व्यय	**79950/-**
योग	**80337/-**
कुल उत्पादन (नं०198 में)	**प्रतिमाह / 198 न0**
उत्पादन की विक्री मूल्य प्रतिमाह	**141500/-**
उत्पादन की बुनाई से आय (198नं०)	**50300/-**
कुल लाभ = बिक्री मूल्य – (पूंजीगत मूल्य ह्रास + आवर्ती मूल्य) = 141500 - (387 + 80337)	**60776/-**
उत्पाद की बुनाई से सकल लाभ =कुल लाभ +मजदूरी +कमरा किराया = 60776 + 16000+ 1000	**77776/-**

यह धनराशी मजदूरी व किराये की धनराशी के अतिरिक्त है |

14. धन की आवश्यकता

क्रमांक	विवरण	राशि (रुपये में)
1	परियोजना द्वारा पूंजीगत व्यय का 75% अनुदान	34800
2.	लाभार्थी अंश (25% पूंजीगत व्यय)	11600
	योग	**46400/-**

15. सम विच्छेदन बिन्दू (ब्रेक इविन प्वाइन्ट) की गणना

ब्रेक इवन पॉइंट = पूंजीगत व्यय / विक्रय मूल्य – आवर्ती व्यय

= 46400/ 141500 - 63000

= 46400/78500

= 0. 59माह = 0.59x30 = **17.9**दिन **(**लगभग**18** दिन**)**

अत : लगभग 20 दिनो में सम विच्छेदन बिन्दू प्राप्त किया जाएगा।

16.स्वयंसहायतासमूहनियमो की सूची

1. समूह का काम : **बुनाई व हथकरघा**
2. समूह का पता : **गाँवशान्शा, डाकघर शान्शा, तहसील केलोंग, जिला लाहुल स्पिति, हिमाचल प्रदेश |**
3. समूह के कुलसदस्य:7
4. समूह की मासिक बैठक हर माह की 10. तारिक को होगी |
5. समूह के सभी सदस्य हर माह की बचत की गई राशि को समूह में जमा करेगें
6. स्ंवय सहायता समूह की बैठक में सभी सदस्य को शामिल होना पड़ेगा
7. समूह की बैठक में गेर हाज़िर रहने के लिए प्रधान व सचिव को उचित कार्य बता कर अनुमति लेनी होगी
8. समूह में जो बचत की राशी जमा नहीं करवाते या 3 बेठकों तक समूह से गेर हाज़िर रहते है तो उस व्यक्ति को समूह से निकाल दिया जाएगा
9. समूह में जो व्यक्ति कारण बताए वगेर गेर हाज़िर रहता है तो अगली बैठक उस व्यक्ति के घर में होगी जिसका खर्च उस व्यक्ति को खुद करना होगा अगर दो सदस्य होगें तो खर्च मिल कर देना होगा
10. स्ंवय सहायता समूह के प्रधान व सचिव सर्व सहमति से चुने जाऐगें
11. प्रधान व सचिव बैंक से लेन देन कर सकते है यह पद एक वर्ष तक मान्य होगा
12. प्रधान, सचिव या सदस्य समूह के विरूद्व कोई काम नही करेगा समूह की रकम का सदा सदुपयोग करेगें
13. अगर सदस्य किसी कारणवश समूह को छोड़ना चाहता है अगर इस व्यक्ति ने ऋण लिया है तो समूह को वापिस करना होगा तभी समूह को छोड़ समता है अन्यथा नही
14. ऋण का उदेश्य रकम की चुकोती का समय ऋण की किश्त और ब्याज की दर बैठक में तय की जाएगी
15. आपातकालीन स्थिति के लिए प्रधान व सचिव के पास कम से कम 1000 रूपये की राशी होनी चाहिए
16. स्ंवय सहायता समूह के रजिस्टर को सभी सदस्यों के सामने पढ़ा व लिखा जाना चाहिए
17. बड़ें ऋण लेने वालों को एक सप्ताह पहले की सूचना देनी होगी
18. ऋण जरूरत के समय सभी सदस्यों को मिलना चाि

समूह का सहमति पत्र

आज दिनांक 22-09-2021 को स्वयं सहायता समूह **" झाँसी "** की बैठक प्रधान **"श्रीमती सुशीला"** की अध्यक्षता में हुई। जिसमें समूह के सभी सदस्यों ने सर्वसहमति से यह निर्णय लिया कि समूह की आय को बढ़ाने के लिए **"बुनाई व हाथकरघा"**(**Knitting & Handloom**) का कार्य और आजीविका सुधार योजना (**JICA**) से जुड़ने की सहमति प्रदान करते है।

प्रधान
झाँसी स्वयम सहायता समूह
शान्शा

सचिव
झाँसी स्वयम सहायता समूह
शान्शा

President
VFDS Shansha
Distt. L&S (H.P)

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong

1. कमला
2. सुनीता
3. Shela
4. माला
5. सन्तोष
6. Beena

Recommend for approval.

Range Forest Officer
Pattan Range
Jahalma

झाँसी स्वंयसहायतासमूह के सदस्यों का फोटोग्राफ-

			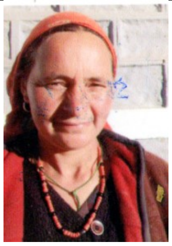
सुशीला(प्रधान)	शीला	सुनीता	बिमला
सन्तोष	कमला (सचिव)	माया	

प्रस्ताव

आज दिनांक **5/3/2023** को ग्राम वन विभाग समिति की कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया जिसमे वन विभाग समिति के प्रधान ,वन खंड अधिकारी और **FTU Coordinator** भी शामिल थे | इस बैठक में समुह के सभी सदस्य भी मौजूद थे और यह निर्णयलिया गया की मशीनों के मूल्यों मे हुए बदलाव के कारण सर्व सहमती से **busniss** प्लान को संशोधितकिया जाये |

इस सम्बन्ध में समूह द्वारा **46400/-** का बिजनेस प्लान प्रस्तुत किया गया |

कमला
सुनीता
Shela
माला
सन्तोष
Beena
Lushika

President
VFDS Shansha
Distt. L&S (H.P)

Treasurer
VFDS Shansha
Distt. L&S (H.P)

Range Forest Officer
Pattan

Dmu-Cum- Division Forest Office
Lahoul at Keylong